

## 50 Years of the Establishment of Diplomatic Relations Between India and Vietnam

India and Vietnam share traditionally close and cordial bilateral relations. Mahatma Gandhi and President Ho Chi Minh, regarded as the Father of Nation in India and Vietnam respectively, led people in their heroic struggle against colonialism in their respective countries. India was the Chairman of the International Commission for Supervision and Control formed pursuant to the Geneva Accord of 1954 to facilitate the peace process in Vietnam. India established full diplomatic relations with unified Vietnam on 7 January 1972.

Bilateral relations between the two countries have been elevated to the level of "Comprehensive Strategic Partnership" during Indian Prime Minister Mr. Narendra Modi's visit to Vietnam in 2016. The current development of India-Vietnam relations are guided by a historic 'Joint Vision for Peace Prosperity and People' adopted by Prime Minister Mr. Narendra Modi and Prime Minister Mr. Nguyen Xuan Phuc during the Virtual Summit held on 21 December 2020. On the sidelines of the Virtual Summit, the Foreign Ministers of the two countries also signed a Plan of Action for the period 2021-23 to implement the Joint Vision. In 2022-23, the two countries are celebrating the 50 years of the establishment of diplomatic relations that also coincides with the 75th anniversary of India's independence "Azadi Ka Amrit Mahotsav".

India has a long-standing development partnership with Vietnam that has made positive contributions towards capacity building, sustainable development goals (SDGs) and socioeconomic development under bilateral and ASEAN framework. Under the Mekong Ganga Cooperation Framework, India has been taking up Quick Impact Projects (QIPs) in various provinces of Vietnam for development of community infrastructure at grassroots levels. Vietnam is an active participant of the Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) programme and other scholarships.

India and Vietnam share historical and civilizational links, including through their shared heritage of Buddhism and Cham traditions. The Government of India commissioned the Archaeological Survey of India for restoration and conservation of 3 Group of temples in My Son sanctuary of Vietnam. The restoration work has been completed following all specifications, quality and international standards and norms and in accordance to the MoU signed between India and Vietnam. Yoga is another link between

the people of India and Vietnam and is very popular among the people of Vietnam. Thousands of Vietnamese people participate in the International Day of Yoga at multiple locations in Vietnam in June every year. Launching direct flights between the two countries in 2019 and implementation of a simplified visa regime travel have boosted travel for leisure, business and cultural purposes between the two countries.

India & Vietnam has a lot of affinity in sports also. A martial art with a legacy of more than 3000 years, Kalaripayattu, the traditional martial art form of Kerala, India is regarded as the oldest and most scientific of all martial arts in the world. Kalaripayattu combines a wide range of combat techniques from empty hand combat to a wide range of weaponry including long staff, short stick, curved stick, sword and shield, spear, mace and flexible sword (*urumi*). A blend of yoga, meditation, relaxation and self-defense techniques, Kalaripayattu these days is gaining prominence and popularity.

In Vietnam, (Vovinam Viet Vo Dao) was founded by Grand Master Nguyen Loc in 1936, with the desire to improve the self-defense and fighting ability of Vietnamese people in the fight to expel the French colonialists and to gain national independence. Vovinam combines the quintessence of traditional Vietnamese martial arts and the world's martial arts, being famous for high-flying and neck-clamping blows. So far, Vovinam has been developed with more than 2 million students in many countries and territories around the world. In 2011, Vovinam was first included in the official competition program at the 26th SEA Games held in Indonesia.

A Joint Postage Stamp depicting Kalaripayattu and Vovinam is an opportunity to promote the national identity of India & Vietnam. This Joint Postage Stamp also celebrates the strong cultural, social & political links between these two national allies of the region.

Department of Posts is pleased to issue a Souvenir Sheet on '50 years of the establishment of diplomatic relations between India & Vietnam' which will further strengthen the bilateral relations between India and Vietnam.

### Credits:

Stamp/FDC/Brochure : Shri Brahm Prakash  
Cancellation Cachet : Mrs. Nenu Gupta  
Text : Referenced from content provided by Ministry of External Affairs



डाक विभाग  
DEPARTMENT OF POSTS



भारत और वियतनाम के बीच  
राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष

50 years of establishment of Diplomatic  
Relations between India and Vietnam

विवरणिका BROCHURE

## भारत और वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष

भारत और वियतनाम पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और सोहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध साझा करते हैं। महात्मा गांधी और राष्ट्रपति हो ची मिन्ह जिन्हें क्रमशः भारत और वियतनाम में राष्ट्रपिता माना जाता है, दोनों ने ही अपने संबंधित देशों में औपनिवेशवाद के खिलाफ अपने वीरतापूर्ण संघर्ष में लोगों का नेतृत्व किया। भारत, वियतनाम में शांति प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्ष 1954 के जिनेवा समझौते के अनुसरण में गठित अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षण और नियंत्रण आयोग का अध्यक्ष था। भारत ने 07 जनवरी, 1972 को एकीकृत वियतनाम के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किए।

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2016 में वियतनाम दौरे के दौरान 'समग्र सामरिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया है। भारत-वियतनाम के संबंधों का मौजूदा दौर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री श्री गुयेनजुआन फुक की 21 दिसम्बर, 2020 को आयोजित वर्चुअल समिट के दौरान अंगीकृत एतिहासिक शांति, समृद्धि और लोगों के लिए संयुक्त विजय से निर्देशित है। वर्चुअल समिट की पृष्ठभूमि पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने भी संयुक्त विजन के कार्यान्वयन के लिए 2021-23 अवधि के लिए एक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए। वर्ष 2022-2023 में, दोनों राष्ट्र राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मना रहे हैं जो भारत की स्वतंत्रता के 'आजादी के अमृत महोत्सव' की 75 वीं वर्षगांठ का भी अवसर है।

भारत की वियतनाम के साथ दीर्घकालिक विकास साझेदारी है जिसने द्विपक्षीय और आसियान फ्रेमवर्क के अंतर्गत क्षमता निर्माण, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और सामाजिक आर्थिक विकास के प्रति सकारात्मक योगदान दिया है। मेकांग गंगा सहयोग फ्रेमवर्क के अंतर्गत, भारत जमीनी स्तर पर सामुदायिक अवसंरचना के विकास के लिए वियतनाम के विभिन्न प्रांतों में त्वरित प्रभाव योजना (क्विक इंपैक्ट प्रोजेक्ट) (क्यूआईपी) शुरू कर रहा है। वियतनाम भारतीय तकनीक और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम तथा अन्य छात्रवृत्तियों में सक्रिय भागीदार है।

भारत और वियतनाम बौद्ध और चाम परंपराओं की अपनी साझा विरासत सहित ऐतिहासिक और सभ्यागत संबंध साझा करते हैं। भारत सरकार ने वियतनाम के माई सन अभ्यारण्य में मंदिरों के तीन समूह के जीर्णोद्धार और संरक्षण से जुड़े कार्य को भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण को सौंपा है। जीर्णोद्धार कार्य सभी विनिर्देशों, गुणवत्ता तथा अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों एवं मानकों का अनुपालन करते हुए और भारत तथा वियतनाम के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार पूरा किया गया है। योग, भारत और वियतनाम के लोगों के बीच एक ओर कड़ी है जो वियतनाम के लोगों के बीच लोकप्रिय है। वियतनाम के हजारों लोग प्रत्येक वर्ष जून में बहुत से स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में

भाग लेते हैं। वर्ष 2019 में दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान के शुरू होने तथा सरलीकृत वीजा व्यवस्था के कार्यान्वयन से दोनों देशों के बीच सैर-सपाटे के लिए यात्रा, कारोबारी और सांस्कृतिक प्रयोजनों के लिए हवाई यात्रा को काफी बढ़ावा मिला है।

खेलों में भी भारत और वियतनाम के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। कलरिपयट्टु केरल का एक पारंपरिक मार्शल आर्ट है। इस मार्शल आर्ट की विरासत 3000 से भी अधिक वर्षों वाली है यह मार्शल आर्ट संभवतः सबसे पुरानी अस्तित्व वाली युद्ध पद्धतियों में से एक है। यह युद्ध कला पूर्णतया वैज्ञानिक है। कलरिपयट्टु में खाली हाथ से लड़ाई से लेकर लंबे डंडे, छोटी छड़ी, मुड़ी हुई छड़ी, तलवार और ढाल, भाला, गदा और लचीली तलवार (उरुमी) सहित हथियारों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। चपलता और लचीलापन, योग, ध्यान, विश्रुति और आत्मरक्षा की तकनीकों के मिश्रण से परिपूर्ण कलरिपयट्टु इन दिनों प्रमुखता और लोकप्रियता प्राप्त कर रही है।

वियतनाम में, (वोविनाम वियत वो दाओ) की स्थापना ग्रैंड मास्टर गुयेन लोक ने वर्ष 1936 में फ्रांसीसी उपनिवेशवादियों को देश से बाहर निकालने और राष्ट्रीय स्वतंत्रता हासिल करने की लड़ाई में वियतनाम के लोगों की आत्मरक्षा तथा लड़ने की क्षमता में सुधार लाने की प्रयोजन से की गई थी। वोविनाम पारंपरिक वियतनामी मार्शल आर्ट और विश्व के सभी मार्शल आर्ट की सर्वोत्कृष्टता का मिश्रण है जो ऊंची उड़ान और गरदन को जकड़ने के लिए प्रसिद्ध है। कई उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए वोविनाम धीरे-धीरे विशिष्ट सांस्कृतिक विशिष्टताओं में से एक बन गया है जिसने देश की छवि और वियतनाम के लोगों को बढ़ावा देने में योगदान दिया है। अब तक दुनियाभर के कई देशों और प्रदेशों में दो करोड़ से अधिक छात्रों में वोविनाम विकसित किया गया है। वर्ष 2011 में वोविनाम को पहली बार इंडोनेशिया में आयोजित हुए दक्षिण एशियाई खेलों में आधिकारिक प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल किया गया था।

कलरिपयट्टु और वोविनाम को दर्शाने वाला संयुक्त डाक टिकट भारत और वियतनाम की राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा देने का एक अवसर है। यह संयुक्त डाक टिकट क्षेत्र के इन दो राष्ट्रीय सहयोगियों के बीच मजबूत सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक संबंधों का भी जश्न मनाता है।

डाक विभाग, 'भारत एवं वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष' विषय पर सोवीनियर जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है, जो भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करेगा।

### आभार :

डाक-टिकट/प्रथम दिवस : श्री ब्रह्म प्रकाश  
आवरण/विवरणिका  
विरूपण कैश : श्रीमती नीनू गुप्ता  
पाठ : विदेश मंत्रालय से प्राप्त सामग्री के आधार पर

## तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 2500 पैसा, 500 पैसा
Denomination	: 2500 p, 500 p
सोविनियर शीट मूल्य	: 3000 प्रत्येक
Souvenir Sheet Price	: 3000 each
मूल्य सोविनियर शीट	: 1.12 लाख
Souvenir Sheet Printed	: 1.12 lakh
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at [http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY\\_3D.html](http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html)

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00